

Padma Bhushan



SHRI GHULAM NABI AZAD

Shri Ghulam Nabi Azad is a political and social worker. He was member of Peace Committee and National Integration Committee of GGM Science College, Jammu during 1967-69. He became strong follower of Mahatma Gandhi's philosophy of truth and non-violence ever since he attended a fortnight long Gandhi centenary celebration camp as student at Srinagar in 1969. He was honorary Secretary of Gandhi Smarak Nidhi, J&K from 1970-73 as a University Student. He represented Gandhi Smarak Nidhi to visit 1000 Gandhian Model Villages in Sri Lanka in 1973. He was Chairman of Rajghat Samadhi Committee from May 2004 to October, 2005. Presently he is President of Gandhi Global Family, recognized as peace NGO by Department of Public Information of the United Nation.

2. Born on 10th May, 1948 at Village Soti-Bhaderwah, District Doda in J&K, Shri Azad did his Masters degree (M.SC.) in Zoology in first class from Kashmir University. He was an outstanding NCC cadet. He was General Secretary of All India Congress Committee for more than a dozen times. He is a member of Congress Working Committee from 1987 till date. He was member of Lok Sabha twice in 1980 and 1985 from Washim, Maharashtra. He was also member of Rajya Sabha 5 times.

3. Shri Azad was Union Minister of State Parliamentary Affairs from 1985 to 1986 and Union Minister of State Home Affairs, Food and Civil Supplies in 1986-87. In 1987, he resigned from the Ministry and offered his services to work in militancy-ridden Punjab as party General Secretary incharge to bring peace and normalcy in the state. He also served as Union Minister of Parliamentary Affairs from 1991 to 1996 and was Union Minister of Civil Aviation & Tourism from 1993 to 1996. As Union Civil Aviation Minister, he formulated 'Open Sky Policy' thereby allowing private airlines to operate.

4. Shri Azad was Union Minister of Parliamentary Affairs and Urban Development from 2004 to 2005 and was instrumental to upgrade and augment the urban infrastructure of all seven sister States and Sikkim by providing and allocating them extra 'Non Lapsable Funds'. He was Union Minister of Health and Family Welfare from 2009 to 2014. It was during his tenure, as Health Minister India became Polio free. He was Chief Minister of J&K from November 2005 to July 2008 and introduced double and triple shift system to ensure rapid execution of public works. He also conceived and conceptualized the first Tulip garden of India in Srinagar and completed it in triple shift within 18 months. He also served as Leader of Opposition in Rajya Sabha from June 2014 to February 2021.

5. The Hon'ble President of India has conferred Shri Azad with 'Indian Parliamentary Group's Outstanding Parliamentarian Award-2015 on 1st August, 2018. He was conferred with the 'Lokmat Best Parliamentarian Award-2018 by the Hon'ble Vice President of India on 13th December, 2018.

पद्म भूषण



श्री गुलाम नबी आज़ाद

श्री गुलाम नबी आज़ाद एक राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। ये वर्ष 1967–69 के दौरान जीजीएम साइंस कॉलेज, जम्मू की शांति समिति और राष्ट्रीय एकता समिति के सदस्य रहे। वर्ष 1969 में श्रीनगर में विद्यार्थी के रूप में गांधी शताब्दी समारोह शिविर पखवाड़े में भाग लेने के बाद वे महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के दर्शन के प्रबल अनुयायी बन गए। वे वर्ष 1970–73 तक विश्वविद्यालय के छात्र के रूप में गांधी स्मारक निधि, जम्मू-कश्मीर के मानद सचिव रहे। उन्होंने वर्ष 1973 में श्रीलंका में 1000 गांधीवादी मॉडल गांवों का दौरा करते हुए गांधी स्मारक निधि का प्रतिनिधित्व किया। वे मई, 2004 से अक्टूबर, 2005 तक राजघाट समाधि समिति के अध्यक्ष थे। वर्तमान में वे श्री आज़ाद गांधी वैश्विक परिवार के अध्यक्ष हैं, जिसे संयुक्त राष्ट्र के लोक सूचना विभाग से शांति एनजीओ के रूप में मान्यता प्राप्त है।

2. 10 मई, 1948 को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के सोती-भद्रवाह गांव में जन्मे, श्री आज़ाद ने कश्मीर विश्वविद्यालय से जंतुविज्ञान में प्रथम श्रेणी में मास्टर्स डिग्री (एमएससी) प्राप्त की। वे एक उत्कृष्ट एनसीसी कैडेट थे। वे एक दर्जन से अधिक बार अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रहे। वे वर्ष 1987 से आज की तिथि तक कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य हैं। वे वर्ष 1980 और 1985 में वाशिम, महाराष्ट्र से दो बार लोकसभा के सदस्य रहे। वे 5 बार राज्यसभा के सदस्य भी रहे।

3. श्री आज़ाद वर्ष 1985 से 1986 तक केंद्रीय संसदीय मामलों के राज्य मंत्री और वर्ष 1986–87 में केंद्रीय गृह मामले, खाद्य और नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री रहे। वर्ष 1987 में, उन्होंने मंत्रालय से इस्तीफा दे दिया और आतंकवाद से ग्रस्त पंजाब राज्य में शांति स्थापित करने और हालात सामान्य करने के लिए पंजाब में पार्टी महासचिव के रूप में काम करके अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने वर्ष 1991 से 1996 तक केंद्रीय संसदीय मामलों के मंत्री के रूप में भी कार्य किया और वर्ष 1993 से 1996 तक केंद्रीय नागर विमानन और पर्यटन मंत्री रहे। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के रूप में, उन्होंने 'ओपन स्काई पॉलिसी' तैयार की, जिससे निजी एयरलाइंस को संचालित करने की अनुमति मिली।

4. श्री आज़ाद वर्ष 2004 से 2005 तक केंद्रीय संसदीय कार्य और शहरी विकास मंत्री रहे और उन्होंने सभी पूर्वोत्तर की सभी सात राज्यों तथा सिक्किम की शहरी अवसंरचना को उन्नत बनाने और उसके संवर्धन के लिए उन्हें अतिरिक्त 'नॉन लैप्सेबल फंड' उपलब्ध कराने और आवंटित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे वर्ष 2009 से 2014 तक केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री रहे। स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान ही भारत पोलियो मुक्त हुआ था। वे नवंबर, 2005 से जुलाई, 2008 तक जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रहे और उन्होंने सार्वजनिक कार्यों के तेजी से निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए डबल और ट्रिपल शिफ्ट सिस्टम की शुरुआत की। इन्होंने श्रीनगर में भारत के पहले ट्यूलिप गार्डन की भी परिकल्पना की और इस संकल्पना को साकार किया और इसे 18 महीनों के भीतर ट्रिपल शिफ्ट में पूरा किया। उन्होंने जून 2014 से फरवरी 2021 तक राज्यसभा में विपक्ष के नेता के रूप में भी कार्य किया।

5. भारत के माननीय राष्ट्रपति ने 1 अगस्त, 2018 को श्री आज़ाद को 'भारतीय संसदीय समूह के उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार-2015' से सम्मानित किया। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा 13 दिसंबर, 2018 को उन्हें 'लोकमत सर्वश्रेष्ठ सांसद पुरस्कार - 2018' से सम्मानित किया गया।